>

Title: Regarding protection of Rajasmand lake and drinking water in Rajasthan.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): सभापति महोदय, आपने मझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि राजस्थान के राजसमन्द में विश्व प्रसिद्ध मीठे पानी की झील है । यह एशिया की सबसे बड़ी झीलों में शुमार है और यह नंबर 2 पर आती है । नौ चौकी, जहां पर संगमरमर के पत्थरों पर संस्कृत में लिखे हुए शिलालेख हैं, उनके संरक्षण के लिए सरकार का ध्यान आकर्षित हुए, इस राजसमन्द झील को इसकी भराव क्षमता के अनुरूप भरने के लिए, मैं एक योजना बनाने की मांग आपके माध्यम से करता हूं । इसको लेकर राजसमन्द में आंदोलन भी चले ।

उदयपुर को झीलों की नगरी कहा जाता है । राजसमन्द में मीठा पीने के पानी का, सिंचाई का अगर कोई बड़ा साधन है, तो यह राजसमन्द की झील है । गोमती, केलवा तथा ताली नदियों पर बांध बनाकर 7 किलोमीटर लंबी व 3 किलोमीटर चौड़ी तथा 55 फीट से अधिक गहरी इस कृत्रिम झील के लिए खारी फीडर की चौड़ाई बढ़ाई जाए व इसको पर्यटन के रूप में भी उभारने के लिए प्रयास किए जाएं । झील के भराव क्षेत्र में आ रही बाधाओं को दूर किया जाए । यहां बहुत ज्यादा तादाद में अतिक्रमण हो गए हैं । हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद भी अतिक्रमण हटाने में सरकार नाकाम रही है । इस बांध से सिंचाई के लिए जो कच्ची नहरें हैं, उन्हें पक्का किया जाए, तो यह राजसमन्द के लिए बेहतर होगा ।

सभापति महोदय, यह एक प्राकृतिक बहाव क्षेत्र है । मार्बल उद्योग राजसमन्द के अंदर बहुत बड़ी तादाद में होता है, इसलिए इसे मार्बल नगरी भी

कहते हैं । मार्बल उद्योग का वेस्ट व खनन की जो गतिविधियां होती हैं, उनको भी रोका जाए । वहां जमीन के अंदर पीने का पानी नहीं मिलता है ।

माननीय सभापति : जीरो ऑवर में एक ही विषय उठाना होता है । आपने जिस विषय की सूचना दी है, उसे आप उठा चुके हैं ।

श्री हनुमान बेनीवाल : इस विषय को कब उठायेंगे?

माननीय सभापति : आप इस विषय को अगली बार उठाइए, कल उठा लीजिए ।

श्री हनुमान बेनीवाल : सर, मुझे बात तो पूरी कर लेने दीजिए । मैं कह रहा हूं कि राजसमन्द झील के संरक्षण के लिए आप राजस्थान की सरकार को निर्देशित करें । पर्यटन की दृष्टि से भी, नौकायन से लेकर सारी चीजें वहां हों । मैं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करता हूं कि राजसमन्‍द में पीने के पानी और सिंचाई के पानी की प्रमुख समस्या है । इस समस्या के समाधान हेतु निर्देश जारी करें ।